FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) to (c) The main objectives of the Participants Meeting related to the proposed restructuring and replenishment of the Global Environment Facility.

The Chairman's summary of the proceedings of the meeting observed that the meeting has helped towards an agreement on these issues.

Study of Environment Impact

1047. SHRI JAGMOHAN : Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether any environmental impact study was carried out by Government before agreeing to hand over 15,000 acres of land to the American company, Cargil, near Kandia harbour,

(b) if so, what are the findings of the study; and

(c) in what manner the loss to local economy is proposed to be made good ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) No, Sir, The environmental impact for any project is to be carried by the project authorities, No such proposal has been referred to this Ministry.

(b) and (c) Do not arise.

Amendment in the National Forest Policy

1048. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided to make an important amendment in the National Forest Policy 1988;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether Government have also decided to allot forest land to the private industries and to allow them to carry out its afforestation;

(d) if so, what are the reasons therefor; and

(e) whether such decision would affect the farmers interests adversely?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) No, Sir.

(b) Does not arise

(c) No. Sir. but some proposals have been receivea.

(d) to (e) Do not arise.

देश में नदियों का प्रदूषण

1049. चौधरी हरमोहन सिंह : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में 18 प्रदूषित नदियों के नाम क्या है ;

(ख) इन नदियों के कौन-कौन से क्षेत्र प्रदूषित हैं; और

(ग) सरकार द्वारा राष्ट्रीय नदी कार्य योजना के अन्तर्गत किन-किन क्षेत्रों में कार्य आरम्भ किया गया है ?

(पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री) (श्री कमल नाथ) : (क) और (ख) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा देश के कुछ प्रमुख नदी बेसिनों में प्रदूषण भार की निगरानी करने के लिए अध्ययन किया गया है । इन अध्ययनों के अनुसार 13 नदियों के 19 घोर प्रदूषित क्षेत्रों एवं 9 नदियों के 14 अपेक्षाकृत कम प्रदूषित क्षेत्रों को अभिनिर्धारित किया गया है । इन क्षेत्रों के ब्यौरे संलग्न विवरण में दिए गए है (नीचे देखिए) ।

(ग) राष्ट्रीय नदी कार्य योजना तैयार के अन्तिम चरण में है ।

विवरण

देश की कुछ प्रमुख नदियों के घोर प्रदूषित एवं कम प्रदूषित क्षेत्र

नदी	प्रदूषित क्षेत्र	वर्तमान श्रेणी	अपेक्षित श्रेणी	संकटापन्न पैरामीटर
1. घोर प्रदूषित क्षेत्र				
साबरमती	(1) अहमदाबाद नगर से साबरमती आश्रम तक तत्काल ऊर्ध्वप्रवाह	ङ	ख	डी० ओ०, बी० ओ० डी० कालिफार्म
	(2) साबरमती आश्रम से वेठपा	ङ	घ	—वही—

सिंधु (सहायक नदियां) सतलज	(1) लुधियाना से हारिका अधोप्रवाह	आंशिक घ आंशिक ङ	ग ग	डी॰ ओ॰, बी॰ ओ॰ डी॰
	(2) नांगल अधोप्रवाह	ङ	ग	अमोनिया
यमुना	(1) दिल्ली से चम्बल के संगम तक	आंशिक घ आंशिक ङ	ग	डी॰ ओ॰, बी॰ ओ॰ डी॰ कालिफार्म
	(2) दिल्ली, आगरा और मथुरा नगर की सीमाओं में	—वही—	ख	—वही—
सुवर्णरेखा	हाथी बांध से बहरागोरा तक	आंशिक घ आंशिक ङ	ग	—वही—
गोदावरी	(1) नासिक से नानदेड अधोप्रवाह	आंशिक घ आंशिक ङ	ग	बी॰ ओ॰ डी॰
	(2) नासिक और नानदेड की नगरीय सीमा	—वही—	ख	—वही—
कृष्णा	कराड से सांगली	आंशिक घ आंशिक ङ	ग	बी॰ ओ॰ डी॰
चम्बल	नागदा अधोप्रवाह एवं कोटा अधोप्रवाह (दोनों लगभग 15 कि॰ मी॰ दूर)	आंशिक घ आंशिक ङ	ग	बी॰ ओ॰ डी॰, डी॰ ओ॰
दामोदर	धनबाद अधोप्रवाह से हल्दिया तक	आंशिक घ आंशिक ङ	ग	बी॰ ओ॰ डी॰ विषक्त
गोमती	लखनऊ से गंगा के संगम तक	आंशिक घ आंशिक ङ	ग	डी॰ ओ॰, बी॰ ओ॰ डी॰ कालिफार्म
काली	मोदीनगर अधोप्रवाह से गंगा के संगम तक	आंशिक घ आंशिक ङ	ग	—वही—
खान	(1) इन्दौर की नगर सीमा में	ङ	ख	—वही—
	(2) इन्दौर की अधोप्रवाह	ङ	घ	—वही—
क्षिप्रा	(1) उज्जैन की नगर सीमा में	ङ	ख	—वही—
	(2) उज्जैन का अधोप्रवाह	ङ	घ	—वही—
हिंडन	सहारनपुर से यमुना के संगम तक	ङ	घ	डी॰ ओ॰, बी॰ ओ॰ डी॰ विषक्त

2. कम घोर प्रदूषित क्षेत्र

वैतरणी	चान्दबाली ऊर्ध्वप्रवाह	घ	ख	बी॰ ओ॰ डी॰ एवं कालिफार्म
कृष्णा	(1) धाम बांध से नारसी बावरी (महाराष्ट्र)	घ	ग	बी॰ ओ॰ डी॰ एवं कालिफार्म
	(2) सहायक प्रवाह (महाराष्ट्र)	घ	ग	—वही—
	(3) नागार्जुन बांध तक तथा उस बांध से रिपेल्ला बांध तक (आंध्रप्रदेश)	घ	ग	बी॰ ओ॰ डी॰ और कालिफार्म
भद्रा	भद्रा बांध के के॰ आई॰ सी॰ सी॰ एल॰ अधोप्रवाह के उत्पत्ति स्थल तक (कर्नाटक)	घ	ग	कुल कालिफार्म
ब्राह्मणी	धर्मशाला ऊर्ध्वप्रवाह	घ	ग	बी॰ ओ॰ डी॰ एवं कालिफार्म
तुंग	थिराथल्ली से भद्रा के संगम तक	ग	ख	कुल कालिफार्म

कावेरी	(1) तलकावेरी से 5 कि० मी० मैसूर जिला की सीमा यागाडी (कर्नाटक)
	(2) के० आर० सागर बांध से होगेनेक्कल तक (कर्नाटक)
	(3) पुगालूर से ग्रैंड अनीकट (तमिलनाडु)
	(4) ग्रैंड अनीकट से कोम्बाकोनम (तमिलनाडु)
ताप्ती	नेपानगर की नगर सीमाओं से बुरहानपुर की नगर सीमाओं तक (मध्यप्रदेश)
नर्मदा	जबलपुर की नगर सीमाओं के साथ (मध्यप्रदेश)
बेतवा	विदिशा तथा मन्डीदीप और भोपाल (मध्यप्रदेश)

नोट :—जल गुणवत्ता का वर्गीकरण निम्नलिखित है :

क—बिना पारंपरिक उपचार परन्तु निसंक्रमण के बाद पेय जल

ख—बाह्य स्नान

ग—निसंक्रमण के बाद पारंपरिक उपचार किया हुआ पेय जल

घ—वन्य-जीव का प्रचार करना

—सिंचाई, औद्योगिक शीतलन एवं अपशेष निपटान

Increasing Pressure on the Ecology in Bihar

1050. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) Whether Government are aware that concentration on maximum production of coal in the State of Bihar has increased the pressure on the ecology of the State and the open cast mining projects are destroying the forest in a big way, and

(b) if so, what action has been taken or proposed to be taken to save the ecology and forests of Bihar?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) Coal mining activity in forest area would have adverse effect on the ecology and forest cover unless proper mitigative measures are implemented. This is equally true for the opencast mining projects in Bihar.

(b) The mitigative measures to save the ecology and forests inter-alia include:

(i) Effective implementation of the Environmental Management Plan and Mine reclamation plan by the project authourities.

(ii) Raising of compensatory afforestation by State Government.

Besides a massive programme of afforestation, social and farm forestry under 20-point-programme is pursued vigorously with people's participation.

forest Policy for Tribal Population in Gujarat

1051. SHRI ANANTRAY DEV-SHANKER DAVE
SHRI GOPALSINH G. SOLANKI

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state :

(a) whether the forest policy of Government has been posing a threat to the survival of Tribal population in Gujarat State;

(b) whether the rehabilitation policy of Government needs change;

(c) if so, the steps taken to amend the forest policy in order to protest the tribals interests; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) No Sir. Having regard to the symbiotic relationship between the tribal people and forests, and in order to ameliorate the social economic conditions of the tribals, various aspects of Tribal Forest Interface have been comprehensively covered in the National Forest Policy of 1988. The Gujarat Government is implementing the National Forest Policy by associating tribal people in protection, regeneration and development of forests and also by providing gainful employment to people living in and around forests.

Request have been made by the Gujarat Government to relax the provisions of the